वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय
जौनपुर
जनसंचार विभाग
विषय –जनसंचार
शीर्षक -पत्रकारिता का नीतिशास्त्र

संकलन एवं प्रस्तुति
डॉ मनोज मिश्र

पत्रकारिता का नीतिशास्त्र

पत्रकारिता का नीतिशास्त्र एक मापदंड है जो स्वीकार्य और अस्वीकार्य व्यवहार के मध्यअंतर को स्पष्ट करता है. वास्तव में नीतिशास्त्र सही, गलत, अच्छे बुरे, जिम्मेदार गैर जिम्मेदार निर्दोष या कसूरवार के मध्य अंतर स्पष्ट करने का नजरिया है.

पत्रकारिता में ऐसे नजरिए की कितनी आवश्यक्ता होती है ये बात किसी से छिपी नहीं है क्योंकि पत्रकारिता के माध्यम से पल में किसी व्यक्ति, संगठन अथवा समाज की छवि बनती और बिगड़ सकती है.

पत्रकारिता नीतिशास्त्र की आचार संहिता

- पत्रकारिता के नीतिशास्त्र की आचार संहिता में मौलिक रूप से पत्रकारिता के उद्देश्यों में निहित निष्पक्ष, सटीक शांत और सभ्य तरीके से जनहित के मामलो पर समाचार , विचार टिपणियां और जानकारियों को आम जनमानस तक पहुंचाना शामिल है.

प्रेस और नैतिकता का संबंध आज की आवश्यकता

- वर्तमान दौर की पत्रकारिता में एक व्यवस्थित आचार संहिता का पालन प्रेस संगठनों के लिए अनिवार्य सा हो गया है. चूंकि लोकतंत्र में प्रेस को मुक्त रूप से कार्यकरने की स्वतंत्रता मिली हुई है, ऐसे में प्रेस को स्वयं से ही सही मार्ग पर चलने के लिए स्वस्फूर्त नैतिकता का पालन करने की जरूरत है और इस लक्ष्य को एक आदर्श आचार संहिता के पालन से प्राप्त किया जा सकता है.
- आज वर्तमान तकनीकी साधनों के जरिए जब प्रेस की पहुंच हर व्यक्ति व स्थान तक आसानी से संभव है तो प्रेस समाज में नैतिकता बनाए रखे व निष्पक्षता के साथ मुद्दों को उठाए इसके लिए नीतिशास्त्र व आचार सहिंता का पालन अत्यंत आवश्यक है. एक आदर्श आचार संहिता प्रेस की स्वतंत्रता को व्यावहारिक रूप प्रदान करती है.

आदर्श आचार संहिता व नैतिकता के मुख्य बिंदु

प्रेस को नैतिक बनाए रखने के लिए प्रकाशित व प्रसारित माध्यमों की विषयवस्तु में कुछ खास बिंदुओं का समावेश होना आवश्यक है जो इस इस प्रकार हैं.

- सत्यता
- शुद्धता
- उद्देश्यपरकता
- निष्पक्षता
- गरिमा
- न्याययुक्त
- सार्वजनिक जवाबदेही
- मानवीयता

सत्यता

सत्यता से आशय मीडिया द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट में ईमानदारी व समझबूझ से भरी तथ्यात्मकता से है. मीडिया को अपनी सामग्री में यथार्थ बनाए रखना चाहिए व भ्रामक व अफवाहों जैसे झूठे समाचारो के प्रसारण व प्रकाशन से बचना चाहिए. सत्यता किसी भी समाचार या रिपोर्ट व संबंधित मीडिया संस्थान की विश्वसनीयता बढ़ा देती है.

शुद्धता

शुद्धता से तात्पर्य समाचार में सही ढंग से और आवश्यक तथ्यों के समावेश से है. आवश्यक तथ्य वे तथ्य होते हैं जो किसी भी घटना से मूल रूप से संबंधित होते हैं जिसमें किसी प्रकार का निजी विचार समाहित न हो. वहीं इन तथ्यों के सही ढंग से प्रस्तुतिकरण से आशय इस बात से है कि तथ्यों का प्रस्तुतीकरण इस प्रकार से किया जाए जिससे कि वे आसानी से आम जनमानस के समझ में आ जाए.

उद्देश्यपरकता

किसी भी विषय की महत्ता उसकी विषय परकता व वस्तुनिष्ठता से है यदि मीडिया की बात करें तो वस्तुनिष्ठता का दायरा और भी अधिक महत्वपूर्ण हो जाता है क्योंकि मीडिया के द्वारा जनता में विचारों व समाचार का संप्रेषण होता है यदि इन विचारों में उद्देश्यपरकता नहीं होगी तो बहुत सी अनावश्यक सामग्री भी मीडिया के माध्यम परोस दी जाएगी जिससे आवश्यक सामग्री की वस्तुनिष्ठता कमजोर हो जाएगी.

निष्पक्षता

निष्पक्षता से आशय किसी भी खबर के संतुलित होने से है. समाचार व विचार के सभी पक्षों को संतुलित रूप से प्रस्तुत करना ही मीडिया की निष्पक्षता को प्रदर्शित करता है. समाचार व विचार में पक्षपातपूर्ण रवैया नहीं अपनाना चाहिए बल्कि प्रत्येक पक्ष को प्रस्तुत कर मीडिया की विश्वसनीयता बनाए रखना ही पत्रकार का कर्तव्य होना चाहिए.

गरिमा

मीडिया का दर्जा लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के रूप में है और लोकतंत्र में जनमानस की आवाज के रूप में मीडिया को पहचान मिली हुई है.

मीडिया के सामने रोजाना सामने आने वाली हजारों सूचनाओं में से जनमानस की भावनाओं को ठेस

पहुंचाने वाली सूचनाओं को रोककर मीडिया को जनकल्याण में अपनी सक्रिय भूमिका का निर्वहन करना चाहिए. खबरों के प्रस्तुतिकरण में जनभावनाओं व संस्कृति का आदर करते हुए किसी व्यक्ति विशेष समुदाय या संप्रदाय की भावनाओं को आहत करने वाले समाचारों से बचना चाहिए.

न्याययुक्त

सत्यता से आशय मीडिया द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट में ईमानदारी व समझबूझ से भरी तथ्यात्मकता से है. मीडिया को अपनी सामग्री में यथार्थ बनाए रखना चाहिए व भ्रामक व अफवाहों जैसे झूठे समाचारो के प्रसारण व प्रकाशन से बचना चाहिए. सत्यता किसी भी समाचार या रिपोर्ट व संबंधित मीडिया संस्थान की विश्वसनीयता बढ़ा देती है.

सार्वजनिक जवाबदेही

सार्वजनिक जवाबदेही के तहत मीडिया को किसी भी मुद्दे को निष्पक्षता से उभारते हुए सत्य तथ्यों को खोजना चाहिए जिससे विषय में उद्देश्य परकता, गरिमा, न्याय का समावेश बना रहे क्योंकि मीडिया की समाज के प्रति जवाबदेही बनती है कि वह किस प्रकार से आमजनमानस के लिए कार्य कर रही है जिससे लोक हित को बढ़ावा मिल रहा हो.

मानवीयता

आज जब मानव के अमानवीय व्यवहार से पूरा विश्व चिंतित है तो ऐसे में मीडिया को सामाजिक मूल्यों के प्रति सचेत रहते हुए समाज के मूल्यों की रक्षा करनी चाहिए. मानवीय मूल्यों पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाला कोई भी समाचार प्रकाशित या प्रसारित नहीं करना चाहिए. चूंकि मीडिया समाज का ही अंग है और मानव समाज का आधार ही सामाजिक मूल्यों पर आधारित है ऐसे में मीडिया की ये महती जिम्मेदारी बनती है कि वह मानवीय व्यवहारों के तहत ही व्यवहार करे और सामाजिक मूल्यों का सम्मान करे.

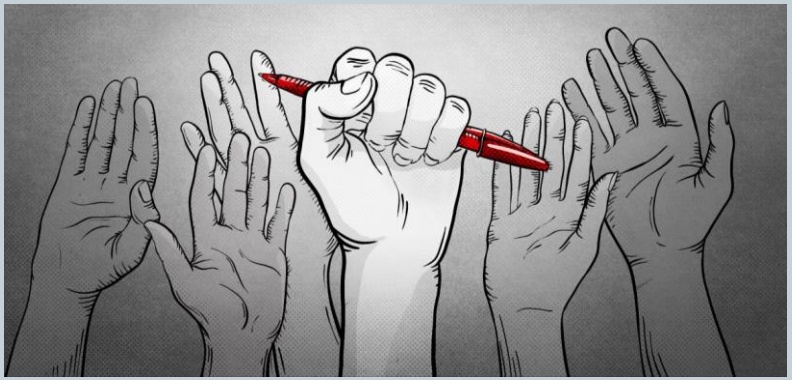

मीडिया नैतिकता

मीडिया की नैतिकता से तात्पर्य ऐसे सिद्धांतों से है जिनके पालन की अपेक्षा मीडिया संस्थानों से सामाजिक जिम्मेदारियों के वहन के दौरान की जाती है। मीडिया एथिक्स, अनुप्रयुक्त नैतिकता का एक उपभाग है, जो प्रसारण मीडिया, फिल्म, थियेटर, कला, प्रिंट मीडिया और इंटरनेट को शामिल करते हुए मीडिया के विशिष्ट नैतिक सिद्धांतों और मानकों से जुड़ा है।

मीडिया नैतिकता से जुड़े मुद्दे

- सिद्धांत और मूल्यों से जुड़े मुद्दे
- समाचार कवरेज से जुड़े मुद्दे
- संस्थागत स्तर से जुड़े मुद्दे

सिद्धांत और मूल्यों से जुड़े मुद्दे

- विशेषकर पत्रकारिता नीति और विज्ञापन नैतिकता की सामग्री के लिये नैतिक सिद्धांत और मूल्यों से जुड़े मुद्दे। इसके तहत मीडियाकर्मियों के आचरण व्यवहार, सामाजिक परिप्रेक्ष्य में उनकी भूमिका के साथ-साथ विज्ञापनों व अन्य प्रसारण के संदर्भ में नीतिगत संदर्भों को लिया जाता है.

समाचार कवरेज से जुड़े मुद्दे

- समाचार कवरेज के संबंध में जब नीतियों की बात होती हैं तो खबरों के प्रस्तुतिकरण में निष्पक्षता, संतुलन, पूर्वाग्रह गोपनीयता व सार्वजनिक हितों का ध्यान रखने की बात की जाती है. वर्तमान परिदृश्य में मीडिया कहीं न कहीं इन सिद्धांतों से भटकी सी नजर आती है. राजनीतिक संदर्भों में तो ये बात कई बार प्रत्यक्ष रूप से दिख ही जाती है. खासकर चुनावों के समय में कई बार मीडिया का राजनैतिक झुकाव अक्सर नजर आ जाता है.

संस्थागत स्तर से जुड़े मुद्दे

- संस्थागत स्तर से जुड़े मुद्दों के अंर्तगत मीडिया स्वामित्व व उनके नियंत्रण, मीडिया का व्यवसायीकरण, जवाबदेही, राजनीतिक मीडिया गठजोड़, विनियमन जैसे संस्थागत पहलू आते हैं. आजकल कई बड़े व्यवसायी घराने मीडिया समूहों का स्वामित्व रखते हैं ऐसे में उन मीडिया समूहों द्वारा औद्योगिक रिपोर्टिंग हो या राजनैतिक संदर्भों की ऐसी खबरें जिनमें व्यवसायिक हित भी छिपे हों आदि के पूर्वाग्रह से प्रभावित रहने की संभावना बढ़ जाती है. कमोवेश यही स्थिति राजनैतिक परिपे्रेक्ष्य में भी की जा सकती है जब कई राजनैतिक घराने भी मीडिया समूहों को प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से संचालित करते नजर आते हैं.

संदर्भ

- द्विवेदी मनीषा,2006 पत्रकारिता एवम प्रेस कानून, नई दिल्ली, कनिष्क पब्लिशर्स
- त्रिखा नंदकिशोर,,2007, प्रेस विधि वाराणसी, विश्वविद्यालय प्रकाशन
- नीलमनार,एम, 2010, मीडिया ला एंड एथिक्स चेन्नई, पीएचएल लर्निंग
- मास मीडिया एंड रिलेटेड लाइन इंडिया, बी मन्ना, 2010, कोलकाता, एकेडमिक्स पब्लिशर्स